भाकृअनुप-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ

गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह (16-22 अगस्त, 2024)

भाकृअनुप – भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा 16-22 अगस्त तक गाजरघास जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्थान के कार्मिकों एवं विद्यार्थीयों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यत: संस्थान के आवासीय परिसर में विद्यार्थीयों एवं यंग प्रोफेशनल के द्वारा फेरी निकाल कर आवासीय परिसर में रहने वाले लोंगों को जागरूक किया गया। साथ ही संस्थान के कार्मिकों द्वारा संस्थान के देवीखेड़ा गेट पर सड़क के किनारे लगे हुए गाजरघास को उखाड़ा गया एवं सड़क से गुजरने वाले लोगों को जागरूक किया गया और बताया गया कि फूल आने से पहले इस खरपतवार को उखाड़कर इससे कम्पोस्ट या वर्मी कम्पोस्ट बनाना चाहिए। साथ ही विस्थापित करने के लिए चकोड़ा,गेंदा जैसे स्व-स्थायी प्रतिस्पर्धी पौधों की प्रजातियों के बीज का छिड़काव करना चाहिए।

गाजरघास को समूल नष्ट करने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक एवं सचिव, कृषि अनुसंधान और शिक्षाविभाग के द्वारा की गई अपील कि आप जानते है कि जानवरों, मनुष्यों पौधों और पर्यावरण का स्वास्थ्य आपस में जुड़ा हुआ है, और वन हेल्थ एक एकीकृत दृष्टिकोण है जो इस मौलिक संबंधो को पहचानता है। इसके अलावा यह स्वच्छ भारत अभियान की एक प्रमुख गतिविधि के रूप में अधिक महत्वपूर्ण होता जा रहा है और इसीलिए सभी संस्थानों, विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केन्द्रों को जल्द से जल्द गाजरघास मुक्त परिसर सुनिश्चित करना चाहिए। सभी कार्मिकों को बताया गया।

इस जागरूकता सप्ताह के समापन कार्यक्रम में आज दिनाँक 22 अगस्त 2024 को एक व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के सभी विभागाध्यक्षों ने गाजरघास के बारे में अपने-अपने सुझाव एवं जानकारी साझा किया। संस्थान के फसल उत्पादन विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. वी.पी. सिंह ने गाजरघास जागरूकता सप्ताह के समापन पर गाजरघास प्रबंधन विषय पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। संस्थान के निदेशक डॉ. आर. विश्वनाथन ने बताया कि गाजरघास जिसे आमतौर पर कांग्रेस घास, सफ़ेद टोपी, असाड़ी, गजरी आदि नामों से जाना जाता है,मुख्यत: बीज से फैलता है। इसका बीज हल्का होने के कारण हवा,पानी और मानवीय गतिविधियों द्वारा आसानी से एक-स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँच जाता है। उन्होने बताया कि जुलाई- अगस्त के दौरान गाजरघास संक्रमित क्षेत्रों में जैविक कीट *जाइगोग्रामा बाइकोलोरटा* को छोड़ कर इसे नियंत्रित किया जा सकता है।

गाजरघास जागरूकता सप्ताह
Parthenium Awarness Week
(16 – 22 अगस्त 2024)

गाजरघास जागरूकता सप्ताह
Parthenium Awarness Week
(16 – 22 अगस्त 2024)

गाजरघास जागरूकता कार्यक्रम
Parthenium Awareness Programm
Date : 16-22 अगस्त 2024
ICAR INDIAN INSTITUTE OF SUGARCANE RESEARCH, LUCKNOW
गाजरघास जागरूकता सप्ताह
Parthenium Awarness Week
(16 – 22 अगस्त 2024)

गाजरघास जागरूकता कार्यक्र
Parthenium Awareness Programm
Date : 16-22 अगस्त 2024
ICAR-INDIAN INSTITUTE OF SUGARCANE RESEARCH, LUCKNOW
गाजरघास जागरूकता सप्ताह
Parthenium Awarness Week
(16 - 22 अगस्त 2024)

Parthenium Management
by
Dr. V P Singh
Head, Division of Crop Production
गाजरघास जागरूकता सप्ताह
Parthenium Awarness Week
(16 - 22 अगस्त 2024)